



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 143]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 27, 1998/ वैशाख 7, 1920

No. 143]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 27, 1998/VAISAKHA 7, 1920

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1998

संख्या 11/98-सीमा शुल्क/98

सा.का.नि. 220(अ).—केन्द्रीय सरकार सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, एतद्वारा यह निर्देश देती हैं कि इसके साथ संलग्न सारणी के कॉलम 2 में विनिर्दिष्ट भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचनाओं में से प्रत्येक को उक्त सारणी के कॉलम 3 में दी गई संगत प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट तरीके से, यथास्थिति, संशोधित अथवा और आगे संशोधित किया जाएगा।

सारणी

क्र. सं.	अधिसूचना सं. और तारीख	संशोधन
1	2	3
1.	3/88-सी.शु. तारीख 14 जनवरी, 98	<p>उक्त अधिसूचना में,—</p> <p>(क) प्रारंभिक पैराग्राफ में, शर्त (XI) में, दूसरे परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक रखा जाएगा, अर्थात् :—</p> <p>“परन्तु यह भी कि इकाई द्वारा पूर्ववर्ती वर्ष में निर्यात मूल्य के 10% राशि तक के आभूषणों को विकास आयुक्त द्वारा सी. शु. सहायक आयुक्त की सलाह से लागू शुल्कों की अदायगी करने पर परेस्त टैरिफ क्षेत्र में निकासी की अनुमति दी जा सकती है,</p> <p>परन्तु यह भी कि मानव निर्मित सोने अथवा चांदी अथवा प्लैटिनम आभूषणों और चनें को भारत में किसी भी स्थान से उक्त कंप्लैक्स में उतनी ही शुद्धता एवं वजन की मात्रा के सोने अथवा चांदी अथवा प्लैटिनम के साथ</p>

बदला जा सकता है जितना कि उक्त सोने अथवा चांदी अथवा प्लैटीनम आभूषण अथवा चेन का था बशर्ते कि सीमा शुल्क सहायक आयुक्त द्वारा निर्धारित शर्तों को पूरा किया गया हो”

(ख) प्रारंभिक पैराग्राफ में, शर्त (XIII) उक्त शर्त के नीचे सारणी और उक्त सारणी के स्पष्टीकरण के स्थान पर, निम्नलिखित शर्त, सारणी और स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(XIII) सीमा शुल्क सहायक आयुक्त यथा-विनिर्दिष्ट शर्तों को पूरा करने पर उक्त सारणी के कालम (1) में दी गई संगत गविष्टि में विनिर्दिष्ट विवरण के आभूषणों के विनिर्माण के दौरान नीचे दी गई सारणी के कालम (2) में विनिर्दिष्ट सोने अथवा प्लैटीनम की छीज और उक्त सारणी के कालम (3) में यथाविनिर्दिष्ट चांदी की छीज की प्रतिशतता की अनुमति दे सकता है।

सारणी

आभूषण का विवरण	सोने अथवा प्लैटीनम की छीज की प्रतिशतता	चांदी की छीज की प्रतिशतता
1	2	3
क. विशुद्ध आभूषण और उनसे बनी वस्तुएं जो जड़े न हों	3.5%	4.5%
ख. जड़ाऊ आभूषण और उनसे बनी वस्तुएं	9.0%	10.0%
ग. विशुद्ध आभूषणों में प्रयुक्त मार्जेंटिंग्स और फाईंडिंग्स	3.5%	4.5%
घ. जड़ाऊ आभूषण में प्रयुक्त मार्जेंटिंग्स और फाईंडिंग्स	3.4%	4.5%
ङ. पूर्ण रूप से यंत्रिकृत प्रक्रिया द्वारा विनिर्मित चेन और जो जड़ाऊ न हों	1.25%	1.25%

“स्पष्टीकरण”

(क) मार्जेंटिंग्स और फाईंडिंग्स के लिए छीज केवल तभी स्वीकार्य है जब इन मार्जेंटिंग्स और फाईंडिंग्स को आयातित सोने से विनिर्मित किया जाता हो और उसी रूप में उनका निर्यात किया जाता हो।

(ख) आभूषणों के विनिर्माण के लिए आयातित अथवा आरी सोने अथवा चांदी की कुल मात्रा के संदर्भ में छीज की प्रतिशतता का हिसाब लगाया जाएगा।

(ग) निर्यात एवं आयात नीति के पैरा 8.34 के अंतर्गत खरीदे गये आभूषणों के संबंध में कोई छीज नहीं दी जाएगी।”,

(ग) प्रारम्भिक पैराग्राफ में, शर्त (XVII) में खंड (ग) के स्थान पर निम्नलिखित खंडों को रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) उपयुक्त शुल्क की अदायगी करने पर लागू वैध आर. इ. पी. अथवा जी ई एम आर इ पी की अथवा डायमंड इम्प्रेस्ड लाइसेंसेस के आधार पर स्वदेशी टैरिफ क्षेत्र में आयात किये गये अथवा स्वदेशी रूप से प्राप्त किये गये माल के मूल्य के 5% तक अनपयुक्त अथवा टूटे हुए एवं पॉलिश किये हुए डायमंडों, मूल्यवान एवं अर्धमूल्यवान रत्नों अथवा तराशे न हुए डायमंडों की सप्लाइ की अनुमति।

(घ) रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के अनुमोदन से निर्यात संवर्धन दौरो एवं विदेश में अस्थायी प्रदर्शन हेतु 1,00,000 अमरीकी डॉलर तक की राशि के नमूनों के रूप में मूल्यवान धातु आभूषणों अथवा मूल्यवान अथवा अर्धमूल्यवान रत्नों अथवा मालाओं को व्यक्तिगत रूप से ले जाने की अनुमति देना बशर्ते कि निर्यातक इसकी निकासी की तारीख से 45 दिन के अन्दर आभूषण अथवा इसकी बिक्री की राशि वापिस लाएगा,

(ङ) विदेश में स्थापित स्थायी दुकानों में प्रदर्शनी एवं बिक्री हेतु ब्रांडिड आभूषणों सहित आभूषण निर्यात की अनुमति देना, बशर्ते कि ऐसी मदों को विदेश में 180 दिनों में न बेचा गया हो और अगले 45 दिनों के अन्दर इनका पुनः आयात कर लिया जाएगा।”

घ) पैराग्राफ 2 में, "भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम लिमिटेड, दस्तकारी एवं हथकरघा निर्यात निगम, राज्य व्यापार निगम, भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत कोई एजेंसी" शब्दों के स्थान पर "धातु एवं खनिज व्यापार निगम लिमिटेड, दस्तकारी एवं हथकरघा निर्यात निगम, राज्य व्यापार निगम, दी प्रोजेक्ट्स एवं इन्विस्मेन्ट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत कोई एजेंसी" शब्दों को रखा जाएगा,

ङ) पैरा 2 में परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक जोड़ा जाएगा :

"परन्तु यह भी कि जिन रत्न और आभूषण इकाइयों को सोना अथवा चांदी की आपूर्ति की गई है यदि वे संबद्ध योजना के अधीन निर्यात एवं आयात नीति में यथानिर्धारित समय सीमा के भीतर ऐसे सोने अथवा चांदी से आभूषण बनाकर उसका निर्यात करने में विफल रहती है तो नाभित अभिकरण दिनांक 21 अक्टूबर, 1997 की अधिसूचना संख्या 80/97 सीमा-शुल्क में यथा उपबंधित उस अवधि की समाप्ति के सात दिनों के भीतर जिसमें ऐसे सोने अथवा चांदी से उक्त आभूषण बनाकर निर्यात किया जाना था, सोने अथवा चांदी पर उदग्रहणीय सीमा शुल्क की दर से उस सोने अथवा चांदी की मात्रा पर शुल्क जमा करेगा जो निर्यातित आभूषण में शामिल नहीं होगी"।

277/90-सी.शु.

दिनांक 12 दिसम्बर, 1990

उक्त अधिसूचना में,—

(क) प्रारंभिक पैराग्राफ में, शर्त (XII) में, दूसरे परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु यह भी कि इकाई द्वारा पूर्ववर्ती वर्ष में निर्यात मूल्य के 10% राशि तक के आभूषणों को विकास आयुक्त द्वारा सी. शु. सहायक आयुक्त की सलाह से लागू शुल्कों की अदायगी करने पर घरेलू टैरिफ क्षेत्र में निकासी की अनुमति दी जा सकती है,

परन्तु यह भी कि मानव निर्मित सोने अथवा चांदी अथवा प्लैटीनम आभूषणों और चनें को भारत में किसी भी स्थान से उक्त कंप्लैक्स में उतनी ही शुद्धता एवं वजन की मात्रा के सोने अथवा चांदी अथवा प्लैटीनम के साथ बदला जा सकता है जितना कि उक्त सोने अथवा चांदी अथवा प्लैटीनम आभूषण अथवा चने का था बशर्ते कि सीमा शुल्क सहायक आयुक्त द्वारा निर्धारित शर्तों को पूरा किया गया हो"

(ख) प्रारंभिक पैराग्राफ में, शर्त (XIV) उक्त शर्त के नीचे सारणी और उक्त सारणी के स्पष्टीकरण के स्थान पर, निम्नलिखित शर्त, सारणी और स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(XIV) सीमा शुल्क सहायक आयुक्त यथा-विनिर्दिष्ट शर्तों को पूरा करने पर उक्त सारणी के कॉलम (1) में दी गई संगत प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट विवरण के आभूषणों के विनिर्माण के दौरान नीचे दी गई सारणी के कॉलम (2) में विनिर्दिष्ट सोने अथवा प्लैटीनम की छीज और उक्त सारणी के कॉलम (3) में यथाविनिर्दिष्ट चांदी की छीज की प्रतिशतता की अनुमति दे सकता है।

सारणी

आभूषण का विवरण	सोने अथवा प्लैटीनम	चांदी की छीज की
	की छीज की प्रतिशतता	प्रतिशतता
1	2	3
क. विशुद्ध आभूषण और उनसे बनी वस्तुएं जो जड़े न हों	3.5%	4.5%
ख. जड़ाऊ आभूषण और उनसे बनी वस्तुएं	9.0%	10.0%
ग. विशुद्ध आभूषणों में प्रयुक्त मार्जेंटिंग्स और फाइंडिंग्स	3.5%	4.5%
घ. जड़ाऊ आभूषणों में प्रयुक्त मार्जेंटिंग्स और फाइंडिंग्स	3.4%	4.5%
ङ. पूर्ण रूप से यंत्रिकृत प्रक्रिया द्वारा विनिर्मित चने और जो जड़ाऊ न हों	1.25%	1.25%

“स्पष्टीकरण”

- (क) मांडिंगों और फाइंडिंगों के लिए छीज केवल तभी स्वीकार्य है जब इन मांडिंगों और फाइंडिंगों को आयात सोने से विनिर्मित किया जाता हो और उसी रूप में उनका निर्यात किया जाता हो।
- (ख) आभूषणों के विनिर्माण के लिए आयातित अथवा जारी सोने अथवा चांदी की कुल मात्रा के संदर्भ में छीज की प्रतिशतता का हिसाब लगाया जाएगा।
- (ग) निर्यात एवं आयात नीति के पैरा 8.34 के अंतर्गत खरीदे गये आभूषणों के संबंध में कोई छीज नहीं दी जाएगी।”,
- (ग) प्रारम्भिक पैराग्राफ में, शर्त (XVI) में खंड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खंडों को रखा जाएगा, अर्थात् :—
- “(ख) उपयुक्त शुल्क की अदायगी करने पर लागू वैध आर. इ. पी. अथवा जी ई एम आर इ पी की अथवा डायमंड इम्प्रेस्ट लाइसेंसों के आधार पर स्वदेशी टैरिफ क्षेत्र में आयात किये गये अथवा स्वदेशी रूप से प्राप्त किये गये माल के मूल्य के 5% तक अनुपयुक्त अथवा टूटे हुए एवं पॉलिश किये हुए डायमंडों, मूल्यवान एवं अर्धमूल्यवान रत्नों अथवा तराशे न हुए डायमंडों की सप्लाई की अनुमति।
- (ग) रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के अनुमोदन से निर्यात संवर्धन दौरो एवं विदेश में अस्थायी प्रदर्शन हेतु 1,00,000 अमरीकी डॉलर तक की राशि के नमूनों के रूप में मूल्यवान धातु आभूषणों अथवा मूल्यवान अथवा अर्धमूल्यवान रत्नों अथवा मालाओं को व्यक्तिगत रूप से ले जाने की अनुमति देना बशर्ते कि निर्यातक इसकी निकासी की तारीख से 45 दिन के अन्दर आभूषण अथवा इसकी बिक्री की राशि वापिस लाएगा,
- (घ) विदेश में स्थापित स्थायी दुकानों में प्रदर्शनी एवं बिक्री हेतु बांडिड आभूषणों सहित आभूषण निर्यात की अनुमति देना, बशर्ते कि ऐसी मदों को विदेश में 180 दिनों में न बेचा गया हो और अगले 45 दिनों के अन्दर इनका पुनः आयात कर लिया जाएगा।”
- (घ) पैराग्राफ 2 में, “भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम लिमिटेड, दस्तकारी एवं हथकरघा निर्यात निगम, राज्य व्यापार निगम, भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत कोई एजेंसी” शब्दों के स्थान पर “धातु एवं खनिज व्यापार निगम लिमिटेड, दस्तकारी एवं हथकरघा निर्यात निगम, राज्य व्यापार निगम, दी प्रोजेक्ट्स एवं इक्विपमेंट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत कोई एजेंसी” शब्दों को रखा जाएगा,
- (ङ) पैरा 2 में परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक जोड़ा जाएगा :
- “परन्तु यह भी कि जिन रत्न और आभूषण इकाइयों को सोना अथवा चांदी की आपूर्ति की गई है यदि वे संबद्ध योजना के अधीन निर्यात एवं आयात नीति में यथानिर्धारित समय सीमा के भीतर ऐसे सोने अथवा चांदी से आभूषण बनाकर उसका निर्यात करने में विफल रहती है तो नामित अधिकरण दिनांक 21 अक्टूबर, 1997 की अधिसूचना संख्या 80/97 सीमा शुल्क में यथा उपबंधित उस अवधि की समाप्ति के सात दिनों के भीतर जिसमें ऐसे सोने अथवा चांदी से उक्त आभूषण बनाकर निर्यात किया जाना था, सोने अथवा चांदी पर उद्ग्रहणीय सीमा शुल्क की दर से उस सोने अथवा चांदी की मात्रा पर शुल्क जमा करेगा जो निर्यातित आभूषण में शामिल नहीं होगी”।

उक्त अधिसूचना में,—

3. अधिसूचना सं. 177/94-सी.शु. उक्त अधिसूचना में,—

दिनांक 21 अक्टूबर, 1997

- (क) प्रारम्भिक पैराग्राफ में, शर्त (XVII) में खंड (iii) के स्थान पर निम्नलिखित खंडों को रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(iii) उपयुक्त शुल्क की अदायगी करने पर लागू वैध आर. इ. पी. अथवा जी ई एम आर इ पी की अथवा डायमंड इम्प्रेस्ट लाइसेंसों के आधार पर स्वदेशी टैरिफ क्षेत्र में आयात किये गये अथवा स्वदेशी रूप से प्राप्त किये गये माल के मूल्य के 5% तक अनुपयुक्त अथवा टूटे हुए एवं पॉलिश किये हुए डायमंडों, मूल्यवान एवं अर्धमूल्यवान रत्नों अथवा तराशे न हुए डायमंडों की सप्लाई की अनुमति।

- (iv) रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के अनुमोदन से निर्यात संवर्धन दौरो एवं विदेश में अस्थायी प्रदर्शन हेतु 1,00,000 अमरीकी डॉलर तक की राशि के नमूनों के रूप में मूल्यवान धातु आभूषणों अथवा मूल्यवान अथवा अर्धमूल्यवान रत्नों अथवा मालाओं को व्यक्तिगत रूप से ले जाने की अनुमति देना बशर्ते कि निर्यातक इसकी निकासी की तारीख से 45 दिन के अन्दर आभूषण अथवा इसकी बिक्री की राशि वापिस लाएगा,

- (v) विदेश में स्थापित स्थायी दुकानों में प्रदर्शनी एवं बिक्री हेतु बांडिड आभूषणों सहित आभूषण निर्यात की अनुमति देना, बशर्ते कि ऐसी मदों को विदेश में 180 दिनों में न बेचा गया हो और अगले 45 दिनों के अन्दर इनका पुनः आयात कर लिया जाएगा।”

- (ख) प्रारम्भिक पैराग्राफ में, शर्त (8) में, तीसरे और चौथे परंतुक के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित परंतुकों को रखा जाएगा, अर्थात् :—

परन्तु यह भी कि मानव निर्मित सोने अथवा चांदी अथवा प्लेटीनम आभूषणों और चनें को भारत में किसी भी स्थान से उक्त कंप्लैक्स में उतनी ही शुद्धता

एवं वजन की मात्रा के सोने अथवा चांदी अथवा प्लैटीनम के साथ बदला जा सकता है जितना कि उक्त सोने अथवा चांदी अथवा प्लैटीनम आभूषण अथवा चेन का था बशर्ते कि सीमा शुल्क सहायक आयुक्त द्वारा निर्धारित शर्तों को पूरा किया गया हो"।

"परन्तु यह भी कि इकाई द्वारा पूर्ववर्ती वर्ष में निर्यात मूल्य के 10% राशि तक के आभूषणों को विकास आयुक्त द्वारा सी. शु. सहायक आयुक्त की सलाह से लागू शुल्कों की अदायगी करने पर घरेलू टैरिफ क्षेत्र में मिकासी की अनुमति दी जा सकती है,

"(ग) प्रारंभिक पैराग्राफ में, शर्त (10) उक्त शर्त के नीचे सारणी और उक्त सारणी के स्पष्टीकरण के स्थान पर, निम्नलिखित शर्त, सारणी और स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(10) सीमा शुल्क सहायक आयुक्त यथा-विनिर्दिष्ट शर्तों को पूरा करने पर उक्त सारणी के कॉलम (1) में दी गई संगत प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट विवरण के आभूषणों के विनिर्माण के दौरान नीचे दी गई सारणी के कॉलम (2) में विनिर्दिष्ट सोने अथवा प्लैटीनम की छीज और उक्त सारणी के कॉलम (3) में यथाविनिर्दिष्ट चांदी की छीज की प्रतिशतता की अनुमति दे सकता है।

सारणी

आभूषण का विवरण	सोने अथवा प्लैटीनम की छीज की प्रतिशतता	चांदी की छीज की प्रतिशतता
1	2	3
क. विशुद्ध आभूषण और उनसे बनी वस्तुएं जो जड़े न हों	3.5%	4.5%
ख. जड़ाउ आभूषण और उनसे बनी वस्तुएं	9.0%	10.0%
ग. विशुद्ध आभूषणों में प्रयुक्त माउंटिंग्स और फाईंडिंग्स	3.5%	4.5%
घ. जड़ाउ आभूषण में प्रयुक्त माउंटिंग्स और फाईंडिंग्स	3.4%	4.5%
ङ. पूर्ण रूप से यंत्रिकृत प्रक्रिया द्वारा विनिर्मित चैन और जो जड़ाउ न हों।	1.25%	1.25%

"स्पष्टीकरण"

- (क) माउंटिंगों और फाईंडिंगों के लिए छीज केवल तभी स्वीकार्य है जब इन माउंटिंगों और फाईंडिंगों को आयातित सोने से विनिर्मित किया जाता हो और उसी रूप में उनका निर्यात किया जाता हो।
- (ख) आभूषणों के विनिर्माण के लिए आयातित अथवा जारी सोने अथवा चांदी की कुल मात्रा के संदर्भ में छीज की प्रतिशतता का हिसाब लगाया जाएगा।
- (ग) निर्यात एवं आयात नीति के पैरा 8.34 के अंतर्गत खरीदे गये आभूषणों के संबंध में कोई छीज नहीं दी जाएगी।",
- (घ) पैराग्राफ 2 में, "भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम लिमिटेड, दस्तकारी एवं हथकरघा निर्यात निगम, राज्य व्यापार निगम, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत कोई एजेंसी" शब्दों के स्थान पर "धातु एवं खनिज व्यापार निगम लिमिटेड, दस्तकारी एवं हथकरघा निर्यात निगम, राज्य व्यापार निगम, दो प्रोजेक्ट्स एवं इक्विपमेंट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत कोई एजेंसी" शब्दों को रखा जाएगा,

(ड) पैरा 2 में परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक जोड़ा जाएगा :

"परन्तु यह भी कि जिन रत्न और आभूषण इकाइयों को सोना अथवा चांदी की आपूर्ति की गई है यदि वे संबंधित योजना के अधीन निर्यात एवं आयात भीति में यथानिर्धारित समय सीमा के भीतर ऐसे सोने अथवा चांदी से आभूषण बनाकर उसका निर्यात करने में विफल रहती हैं तो नामित अभिकरण दिनांक 21 अक्टूबर, 1997 की अधिसूचना संख्या 80/97 सीमा-शुल्क में यथा उपबंधित उस अधि की समाप्ति के सात दिनों के भीतर जिसमें सोने अथवा चांदी से उक्त आभूषण बनाकर निर्यात किया जाना था, सोने अथवा चांदी पर उद्ग्रहणीय सीमा-शुल्क की दर से उस सोने अथवा चांदी की मात्रा पर शुल्क जमा करेगा जो निर्यातित आभूषण में शामिल नहीं होगी"।

[फ. सं. 314/9/98-एफ टी टी]

सीमा जी. जेरे, अवर सचिव

नोट

1. दिनांक 14-1-88 की मूल अधिसूचना संख्या 3/88-सीमा शुल्क को दिनांक 14-1-88 के सा.का.नि. सं. 31 (अ) के अधीन जारी किया गया था और इसमें दिनांक 14-10-97 की सा.का.नि. सं. 593 (अ) के अधीन 14-10-97 की अधिसूचना सं 76/97-सीमा शुल्क के माध्यम से संशोधन किया गया था।
2. दिनांक 12-12-90 की मूल अधिसूचना सं.277/90 सीमा शुल्क को दिनांक 12-12-90 की सा.का.नि. सं. 943 (अ) के अधीन जारी किया गया था और उसमें दिनांक 14-10-97 के सा. का. नि. सं. 593 (अ) के अधीन दिनांक 14-10-97 की अधिसूचना सं 76/97-सीमा शुल्क के माध्यम से संशोधन किया गया था।
3. दिनांक 21-10-94 की मूल अधिसूचना सं.177/94 सीमा शुल्क को दिनांक 21-10-94 की सा.का.नि. सं. 771 (अ) के अधीन जारी किया गया था और उसमें दिनांक 27-10-97 के सा. का. नि. सं. 622 (अ) के अधीन अधिसूचना सं 83/97-सीमा शुल्क, दिनांक 27-10-97 के माध्यम से संशोधन किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th April, 1998

No. 11/98-Cus/98

G.S.R. 220(E).—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) specified in column (2) of the table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl.No.	Notification No. and date	Amendment
1	2	3
1.	3/88-Customs dated the 14th January, 1998	In the said notification.— (a) in opening paragraph in condition (xi), for the second proviso, the following provisos shall be substituted, namely:— "Provided further that jewellery upto 10% of the value of export by the unit in the preceding year, may be allowed clearance into Domestic Tariff Area by the Development Commissioner in consultation with the Assistant Commissioner of Customs, on payment of applicable duties: Provided also that exchange of machine-made gold or silver or

1	2	3
		platinum jewellery and chains, from any place in India to the said complex with the gold or silver or platinum of the same purity and quantity in weight as that of gold or silver or platinum jewellery or the chain, as the case may be, permitted subject to such conditions as may be prescribed by the Assistant Commissioner of Customs."
		"(b) in the opening paragraph, for condition (xiii), the Table below the said condition and the Explanation to said Table, the following condition, Table and Explanation shall be substituted, namely:—
		(xiii) the Assistant Commissioner of Customs may allow, subject to fulfilment of such conditions as he may specify, the percentage of wastage of gold or platinum specified in column (2) of the Table given below or percentage of wastage of silver as specified in column (3) of the said Table, during the manufacture of jewellery of description specified in the corresponding entry in column (1) of the said Table.

TABLE

Description of Jewellery	Percentage of wastage of Gold or Platinum	Percentage of wastage of Silver
1	2	3
a. Plain jewellery and articles thereof unstudded	3.5%	4.5%
b. Studded jewellery and articles thereof	9.0%	10%
c. Mountings and findings used in the plain jewellery	3.5%	4.5%
d. Mountings and findings used in the studded jewellery	3.5%	4.5%
e. Chain manufactured by a fully mechanised process and unstudded	1.25%	1.25%

"Explanation :

(a) The wastage for mountings and findings is admissible only such mountings and findings are manufactured from imported gold and are exported as such.

(b) The percentage of wastage shall be calculated with reference to the total quantity of gold or silver, imported or issued for manufacture of the jewellery.

(c) No wastage shall be allowed for the jewellery procured under para 8.34 of the Export and Import Policy."

1

2

3

(c) in opening paragraph, in condition (xvii) for clause (c), the following clauses shall be substituted, namely:—

“(c) Permit supply of unsuitable or broken cut and polished diamonds, precious and semi-precious stones or rough diamonds up to 5% of value of import or indigenously procured goods to the Domestic Tariff Area against the valid REP or GEM REP or Diamond Imprest Licences as applicable on payment of appropriate duty.

(d) Permit with the approval of Gem and Jewellery Export Promotion Council, personal carriage of precious metals jewellery or precious or semi-precious stones or beads as samples up to US\$ 1,00,000 for export promotion tours and temporary display abroad subject to the condition that the exporter would bring back the jewellery or its sale proceeds within 45 days from the date of its clearance;

(e) Permit export of jewellery including branded jewellery for display and sale in the permanent shops set up abroad, provided that such items not sold abroad within 180 days, shall be re-imported within next 45 days”.

(d) in paragraph 2, for the words, “Minerals and Metals Trading Corporation of India Limited, the Handicraft and Handloom Export Corporation, the State Trading Corporation, the State Bank of India and any agency authorised by the Reserve Bank of India” the words, “Metals and Minerals Trading Corporation Limited, Handicraft and Handloom Export Corporation, State Trading Corporation, the Projects and Equipments of India Limited and any agency authorised by Reserve Bank of India” shall be substituted;

(e) in paragraph 2, after the proviso, the following proviso shall be inserted:

“Provided further that in the event of the Gem and Jewellery units to whom the gold or silver has been supplied, fails to export the jewellery made out of such gold or silver within the time specified in the Export and Import Policy under the respective Scheme, the nominated agencies shall deposit duty on the quantity of the gold or silver not contained in the jewellery exported at the rate of duty of customs leviable on the gold or silver, as the case may be, as provided in the notification No. 80/97-Customs, dated the 21st October, 1997 within seven days of the expiry of the period within which the said jewellery manufactured out of the said gold or silver was supposed to be exported.”;

In the said notification,—

“(a) in the opening paragraph in condition (xii), for the second proviso, the following provisions shall be substituted, namely :—

2. 27790-Customs dated
the 12th December, 1990

1	2	3
		<p>"Provided further that jewellery upto 10% of the value of export by the unit in the preceding year, may be allowed clearance into Domestic Tariff Area by the Development Commissioner in consultation with the Assistant Commissioner of Customs, on payment of applicable duties."</p> <p>Provided also that exchange of machine-made gold or silver or platinum jewellery and chains, from any place in India to the said complex with the gold or silver or platinum of the same purity and quantity in weight as that of gold or silver or platinum jewellery or the chain, as the case may be, permitted subject to such conditions as may be prescribed by the Assistant Commissioner of Customs."</p> <p>(b) in the opening paragraph for condition (xiv), the Table below the said condition and the <i>Explanation</i> to said Table, the following condition, Table <i>Explanation</i> shall be substituted, namely :—</p> <p>"(xiv) the Assistant Commissioner of Customs may allow, subject to fulfilment of such conditions as he may specify, the percentage of wastage of gold or platinum specified in column (2) of the Table given below or percentage of wastage of silver as specified in column (3) of the said Table, during the manufacture of jewellery of description specified in the corresponding entry in column (1) of the said Table.</p>

Table

Description of jewellery	Percentage of wastage of Gold or Platinum	Percentage of wastage of Silver
(1)	(2)	(3)
a. Plain jewellery and articles thereof unstudded	3.5%	4.5%
b. Studded jewellery and articles thereof	9.0%	10%
c. Mountings and findings used in the plain jewellery	3.5%	4.5%
d. Mountings and findings used in the studded jewellery	3.5%	4.5%
e. Chain manufactured by a fully mechanised process and unstudded	1.25%	1.25%

"Explanation :

(a) The wastage for mountings and findings is admissible only when such mountings and findings are manufactured from imported gold and are exported as such.

(b) The percentage of wastage shall be calculated with reference to the total quantity of gold or silver, imported or issued for manufacture of the jewellery.

(c) No wastage shall be allowed for the jewellery procured under para 8.34 of the Export and Import Policy."

(c) in opening paragraph, in condition (xvi) for clause (b), the following clauses shall be substituted, namely :—

"(b) Permit supply of unsuitable or broken cut and polished diamonds, precious and semi-precious stones or rough

1

2

3

diamonds up to 5% of value of import or indigenously procured goods to the Domestic Tariff area against the valid REP or GEM REP or Diamond Imprest Licences as applicable on payment of appropriate duty.

(c) Permit with the approval of Gem and Jewellery Export Promotion Council personal carriage of precious metals jewellery or precious or semi-precious stones or beads as samples upto US \$ 1,00,000 for export promotion tours and temporary display abroad subject to the condition that the exporter would bring back the jewellery or its sale proceeds within 45 days from the date of its clearance ;

(d) Permit export of jewellery including branded jewellery for display and sale in the permanent shops set up abroad, provided that such items not sold abroad within 180 days, shall be re-imported within next 45 days”.

(d) in paragraph 2, for the words, “Minerals and Metals Trading Corporation of India Limited, the Handicraft and Handloom Export Corporation, the State Trading Corporation, the State Bank of India and any agency authorised by the Reserve Bank of India” the words, “Metals and Minerals Trading Corporation Limited, Handicraft and Handloom Export Corporation, State Trading Corporation, the Projects and Equipments of India Limited and any agency authorised by Reserve Bank of India” shall be substituted;

(e) in paragraph 2, after the proviso, the following proviso shall be inserted :

“Provided further that in the event of the Gem and Jewellery units to whom the gold or silver has been supplied, fails to export the jewellery made out of such gold or silver within the time specified in the Export and Import Policy under the respective Scheme, the nominated agencies shall deposit duty on the quantity of the gold or silver not contained in the jewellery exported at the rate of duty of customs leviable on the gold or silver, as the case may be, as provided in the notification No. 80/97-Customs, dated the 21st October, 1997 within seven days of the expiry of the period within which the said jewellery manufactured out of the said gold or silver was supposed to be exported.”;

3. Notification No. 177/94 Customs dated the 21st October, 1994

In the said notification :

(a) in the opening paragraph in the condition (7) for clause (iii), the following clauses shall be substituted, namely :—

“(iii) permit supply of unsuitable or broken cut and polished diamonds, precious and semi-precious stones or rough diamonds up to 5% of value of import or indigenously procured goods to the Domestic Tariff Area against the valid REP or GEM REP or Diamond Imprest Licences as applicable on payment of appropriate duty.

1	2	3
		<p>(iv) Permit with the approval of Gem and Jewellery Export Promotion Council personal carriage of precious metals stones or beads as samples upto US \$ 1,00,000 for export promotion tours and temporary display abroad subject to the condition that the exporter would bring back the jewellery or its sale proceeds within 45 days from the date of its clearance ;</p> <p>(v) Permit export of jewellery including branded jewellery for display and sale in the permanent shops set up abroad, provided that such items not sold abroad within 180 days, shall be re-imported within next 45 days".</p> <p>(b) in opening paragraph in condition (8) for the second and third provisos, the followings provisos shall respectively be substituted, namely :—</p> <p>Provided also that exchange of machine-made gold or silver or platinum jewellery and chains, from any place in India to the said complex with the gold or silver or platinum of the same purity and quantity in weight as that of gold or silver or platinum jewellery or the chain, as the case may be, permitted subject to such conditions as may be prescribed by the Assistant Commissioner of Customs."</p> <p>"Provided further that jewellery upto 10% of the value of export by the unit in the preceding year, may be allowed clearance into Domestic Traffic Area by the Development Commissioner in consultation with the Assistant Commissioner of Customs, on payment of applicable duties;</p> <p>(c) in the opening paragraph for condition (10), the Table below the said condition and the <u>Explanation</u> to the said Table the following condition, Table and <u>Explanation</u> shall be substituted, namely :—</p> <p>(10) the Assistant Commissioner of Customs may allow, subject to fulfilment of such conditions as he may specify, the percentage of wastage of gold or platinum specified in column (2) of the Table given below or percentage of wastage of silver as specified in column (3) of the said Table during the manufacture of jewellery of description specified in the corresponding entry in column (1) of the said Table.</p>

TABLE

Description of Jewellery	Percentage of wastage of Gold or Platinum	Percentage of wastage of Silver
1	2	3
a. Plain jewellery and articles thereof unstudded	3.5%	4.5%
b. Studded jewellery and articles thereof	9.0%	10%

1	2	3
c. Mountings and findings used in the plain jewellery	3.5%	4.5%
d. Mountings and findings used in the studded jewellery.	3.5%	4.5%
e. Chain manufactured by a fully mechanised process and unstudded	1.25%	1.25%

"Explanation::

(a) The wastage for mountings and findings is admissible only when such mountings and findings are manufactured from imported gold and are exported as such.

(b) The percentage of wastage shall be calculated with reference to the total quantity of gold or silver, imported or issued for manufacture of the jewellery.

(c) No wastage shall be allowed for the jewellery procured under para 8.34 of the Export and Import Policy.";

(d) in paragraph 2, for the words, "Minerals and Metals Trading Corporation of India Limited, the Handicraft and Handloom Export Corporation, the State Trading Corporation, the State Bank of India and any agency authorised by the Reserve Bank of India" the words, "Metals and Minerals Trading Corporation Limited, Handicraft and Handloom Export Corporation, State Trading Corporation, the Projects and Equipments of India Limited and any agency authorised by Reserve bank of India" shall be substituted;

(e) in paragraph 2, after the proviso, the following proviso shall be inserted :

"Provided further that in the event of Gem and Jewellery units to whom the gold or silver has been supplied, fails to export the jewellery made out of such gold or silver within the time specified in the Export and Import Policy under the respective Scheme, the nominated agencies shall deposit duty on the quantity of the gold or silver not contained in the jewellery exported at the rate of duty of customs leviable on the gold or silver, as the case may be, as provided in the notification No. 80/97-Customs, dated the 21st October, 1997 within seven days of the expiry of the period within which the said jewellery manufactured out of the said gold or silver was supposed to be exported."

[F.No. 314/9/98-FTT]

SEEMA G. JERE, Under Secy.

Note

1. The Principal notification No. 3/88-Cus dated 14-1-88 was issued under GSR No. 31 (E) dated 14-1-88 and was last amended by notification No. 76/97-Cus dated 14-10-97 under GSR No. 593 (E) dated 14-10-97.

2. The Principal notification No. 277/90-Cus dated 12-12-90 was issued under GSR No. 943 (E) dated 12-12-90 and was last amended by notification No. 76/97-Cus dated 14-10-97 under GSR No. 593 (E) dated 14-10-97.

3. The Principal notification No. 177/94-Cus dated 21-10-94 was issued under GSR No. 771 (E) dated 21-10-94 and was last amended by notification No. 83/97-Cus dated 27-10-97 under GSR No. 622 (E) dated 27-10-97.